

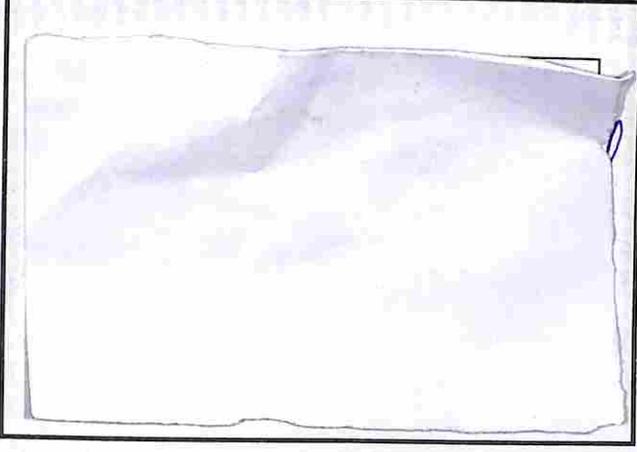
कुल पृष्ठ संख्या-24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

2537062

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 4/4/2025

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

- परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	17	19	04
2	06	20	04
3	12	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	02	29	
12	02	30	
13	12	31	
14	03	योग	
15	03	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	79	3-यासी
18	04		

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक 62361

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

17

1.

वस्तुनिष्ठ ।

एवUS - ए अ ग क (iv) (iv)

(i)

(अ) ~~खाणो~~ ।

। विाकक कृतिव (iv) (iv)

(ii)

(ब) ~~दरी हिमशाली~~ ।

। फाकलीडि (iv) (iv)

(iii)

(अ) ~~फगुण (मार्च)~~ ।

। F.D. (iv) (iv)

(iv)

(ब) ~~मजसुज~~ ।

। कडिा कडिा (iv) (iv)

(v)

(द) ~~शुष्की उतमनंदाणी~~ ।

। (iv) (iv)

BSER-18/2025

(vi)

(अ) ~~विषाज सलकाणी~~ ।

। (iv) (iv)

(vii)

(अ) ~~विशालकूप~~ ।

। (iv) (iv)

(viii)

(ब) ~~छुदरा वारा~~ ।

। (iv) (iv)

(ix)

(अ) ~~पेरी~~ ।

। (iv) (iv)

(x)

(द) ~~नीटू~~ ।

। (iv) (iv)

(xi)

(अ) ~~दरी दिवगी~~ ।

। (iv) (iv)

(xii)

(ब) ~~खुनखुन~~ ।

। (iv) (iv)

(xiii)

(अ) ~~दारी~~ ।

। (iv) (iv)



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

12

3. दिले लिखें 4 जवाब:-

1). जवाब:- 'बुढ़ा-आश्रम' कठिनीअ में अज जी नई पेठि जी निहु निरियल आई, दिय पेठि पहिजे साऊं-पीअ रुई ही दिले बोज था कसकसन। रुई आमाजिले जीवन जी निहु निरियल आई।

2). पढा पकत हित - उत न डिपना खपे, दिले इंध इथान लगाकसा खपे, डिपकानरी पावै में रुखी जैके दुखिया लफज आहिने दुनरुई कसकसी अकथापि कन।

3). असर, माफकई रुई सलीक मी कैद करे पहिजे सदल पठी आथी ही त, माहित थी वथी ही, रुई दुनिसा शादी करण जी विचार दुकरा।

4). मानुए देहि थाने मानव जीवन कंहि परिके खंमान। थाने दुगाने में कौ दिले ही आई, जैके मानव जीवन जी कडुकर आई।

5). "अरुट जी आवाज" बैत जी अर्थका :- अंसांरु गांधीजी जी बाह ते



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

दलता रूप, जिंअ त गॉंवे अदिंसा जी पाठ
 पढ़ाए अंग्रेजनि जी विरोध करी, अझनि री
 प्रेम जी अंदेखा डिनै, पहिले देखा लाग
 लयाग डिनै,
 दिन तएह ही अझां री भी
 पहिले देखा री पतन लाग जेकां री अदे
 करण करिजे।

(vi) 6. अझुंड मां माणिल मीती हुं अंझान ही
 शामिल करे अददी जेकां पाताल में पयल
 जी रथाल रखदी छै त,
 जेकां पाताल में
 पयल अदे री उही ही अझुंड मां मीती नी
 शामिल करे अददी।

(vii) 7. एरसः- कहि माहु, आंदवार, जर्द, शर्द,
 वकन, असा, आसियात या होलात
 जे नाले री एरस चरके थी
 जिंअ तः- राम (को नाली), जयपुर (को जगह)
 बुंगपो (आसियात) एर्यादि
 एरस जा देः किरस थीन्दा आदिनि।

- (i) एरस आरु (ii) एरसु राण
- (iii) एरस जति, (iv) एरस निरप
- (v) एरस मजमुअ (vi) एरस तसगीर



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(viii) दुलिये जी शिरी :- " वक्ता जी महिम्यात " था ए वक्ता हिल तखलिम , कई बाधले था।

(ix) वक्ता उद्ये आजाद परी आहे, जी काहेजे वि वाम मे जथो फाथो।

(x) वक्ता जी काथो मीली दिये जथो अचो।

(xi) वक्ता जी वीए बासुंडी वेर खां अलदवी आहे।

(xii) "आजाद" जी लिङ्ग => केंद्र।

"एवोड" - "व"।

2) जवाब - अशील अमां जे शासटिय जी माली हो।
अशील एवजो ता जथफुए हो पर पाहेजी
बुई जी हथान रखवा लागे हे - पोथे माहेने
बुई वट अजमेए अची हुनजी शीवा कावो हो
विमारी जे वक्ता शी अशील बुई जी अंमाल
काई, दिजले वदले शेर पाहेजे शासटिय लागे।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

डांडी और दुजली जाल लाल जैविक
गण रक्षित है।

आगे और से पैदा दिना पर जड़ें बुरे
मरी बुरे त अक्षीक पहिले १० लुध कम
रखी गरीबाने से वान कर्ष, खीरे वारे
से डांडी लुध दिनर्ष, वाकरवादी जी
पक्ष मां खोली करे छडी।

दिनरंग अवार अक्षीक बुरे जी जाई
(बिकिंडा) खां लगी लगी ही जाई गारई
पहिले माले त अक्षीक जी कतकाम करई,
बुरे के वारे से फाई जी प्रबन्ध करई,
से दमेवाला ही बुरे के नाले गारई।

5. प्रवाह: सुन्दरी आश्विनदास उत्तमचंदणी जी
कहाणियुं पाठकनि, काथरनि, वारन
अक्षिनि ते दिव पहिले हाप छडी आई
पैला विचार न अर्थात् थी। छौ ते,

सुन्दरी जी कहाणियुं देवा, असाक लाल
अक्षर जी कहाणियुं आदिनि, सुन्दरी
दिनरंग अवार दणी कहाणियुं लिखियुं,
जेके मैंगलीन से ही छपियुं आदिनि
निष्कर्ष :- सुन्दरी जी लुध कहाणियुं ज
नाला आदिनि :-



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अध्यापक, गांधी ग्राम, आत्मविश्वास, श्री, युवांतर, बंधन, मिथ्या, मजिद, विद्यापीठ, खैरियाल दरती, ती हनी जी तात।

द्वितीय प्रवाल 2 मशहूर नावक श्री लिखित तर्क-

- 1). छिन्दड दिवार (1953)
- 2). श्रीत फुशनी, रीत निराली (1956)

सुन्दरी जी हा छडागियं पढा री अिण्ण जहडी आहै। री हिन खासिया करै ही दिन पाठयनि के दिल ते गहरो अप्प करि थियु।

ESER-8/2025

2

6). जगवः जडि वणदापु छलाम री कौणारिया त वण री कल सुने न आहै, मां चोर्ड परिथुनि जो अथा अथा, मां चोर्ड माण्डुनि के जीयण जो रसो अथा,

अमली थियो री यथो त अच आहै रीतरी ही न पर हिक माण्डु हिन दुनिया मां केने ववत श्री हिक जिन्दा वण री खार्ड तो वमै पर मां रथो पाव श्री हाण न क्कामि

री आखरी खगदिया रथो ही रण्डप त मरु मणो ववत बिजलीअ जो खलपदिक मरुन मे ही खाडियो वमै।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2

7. जवाब:- "इंद्रिया एवं जीर्णोद्धार विरुद्ध मां
छुड़ बाह्यी शान इरण्डा मारु,
पाठा खे पडी समकण के इरण्डा के करे
छुड़ गालायो।"

हो त जइए जीर्ण नरु - नरु कोलन मे
अने थो त हु इन्द्रिया के चरुथ थो
मा हिल पारुमी कोलकटु जी हीअ
अयां, इन्द्रिया हिनते अने ती त हनरे
पडे धरु जी होकिरी आह त हुन ही
इरण्डा मे नरु इनी सुहने पीउ जी
ही हरे जी दुखन आह।

हुनके धरु आरु त विन्दी जो छुड़ पकडणी
विथो, ही त छुड़ पकीळ देर न रिळन्दे
आह।

2

8. जवाब:- प्रो. राम पंजवानीअ पहिनी कोकिल
एथका फारु अकण मे कर्षणरु जी
अरुप बुधरुन्दे चथो आह त,

पशुम मां कर्षणरु जा धरुस रूप इण्डा, मां
कोकिलो के कलाया पशुम, मां कुरान ही
पकी ए प्रु ही रकथिथा, मां मन्दिर ही
पशुम मां मारुफद ही पशुम मां अकिलि
जगह शगवान जा धरुस रूप इण्डा पर



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सूखे जाण (व्यमक्ष) आहे त परमात्मा त हिळ ही आहे उद्य ही परमात्मा असांन मन ती ही आहे, रुत, व्यागए, पती व्यमिनि मे हुनजा ही वास आहे।

पर हुनजा नाला अलग आदिने, री परमात्मा जा रूप व्यमि आदिने, पर परमात्मा हिळ ही आहे, जेही असांन अन्ताएमुळ वास करे पितो।

9) "दुःख री सुख जां व विजापा" हिनमे लेखळ यथो आहे त सुदिने विन्दी हिळ वेडि वांगुए आहे, जादिना व विजापा आदिने, हिनमे अगर हिळरी सुख आहे त विथो दुःख!

हिनजा मतलबु आहे त असांन विन्दी मे सुख ही हमेशाए लाग न खण्दी आहे अगर हे सुख असांन जीवन मे अचे थो त हिळ जिं दुःख ही जखए खण्दी असांन विनि जा सुखावली करण अचण रूपे, जीअ असां सुख मे खिली करे खण्दी आदिनु असांन हिथ ही दुख री ही खिली करे उद्य पपा ही कदी खण्दी हो त हिथ विन्दी आहे दुःख आथो आहे त पपा थो गड निळरी वेन्दी री वापस सुख ही अची वेन्दी।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2

10). अर्धन, श्राव, पहिनी, गजल, मे, संभान
 के चथो आहै त जइहें श्री असां सथा
 को भी मुष्मिना अचै थी त परमात्मा के
 न के जारिय असां की मदद करै थै
 क्ये पर दिन लख व्यक्ति खों जखरी
 आहै त असां सुने कौच, फकारात्मक
 कौच, असांकी कौच ही कथा तथ करै
 थी त असां के हा मिला तो क्ये
 के हा न।

पर जेइहें असां ही सुध
 करण की कौचिका न कन्दासी, मन में बुरो
 ही रखन्दासी, सुनो न कौचन्दासी त
 असां के सुध ही शामिल न थी क्यन्दा,
 सुकानो की जइ असां के अज मे कीअर
 खपै, अज की कौचण खपै।

2

11). श्री गौला खरी, दिन गौं नी कपि असां
 के दिन गौं ए ए - वागा, मे बखार
 कथियो आहै त असां के पहिनी
 देवा जो वसन्त मीहनत ज मोतिथुन, आं
 क्षरण की प्रथना करण खपै।

हो त मीहनत की खगो दिखी ए ए
 जइसां असां क्ये शामिल करै एसां आहै
 मीहनत करै असां पहिनी किन्दगी क्ये था,
 मरे क्ये था, क्ये असां के



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

मैदनात आं मिली अक्षर दिशुं।
एकदम असां खे परमात्मा खे परदान वरुण
खे त असां खे मैदनात वरुण जी थाकि है,
वरदान है असां खे खी दिखे।

12. अक्षर बदलाया:-

- 1). मौलरी = मौलरा
- 2). बकिरी = बकिरीयुं
- 3). खर = खरु
- 4). ताली = ताला

13. किंश बदलाया:-

- 1). राजा = राज
- 2). असां = असा
- 3). शंका = शंका
- 4). शम्भु = शम्भु
- 5). डाडी = डाडी

“एवम - ए”

14. एवाला:-

जवाब:- (i) दिशुं अक्षर दिशुं असां खे खी लिताव
“आदिथ पुष्य” ज पाठ - 14., दज - X
“अफेद ईश” सां खे वरुण आदिनि।
दिज पाठ ज लेख - “मनीष निहालाणी” आदिथ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		<p>द्विअ कुन्दर किहं दिन पाठ में द्विअ विरपार जानल, यो महादेव से यथु से उन पवत यथु जडाई,</p> <p>मे डाडी नुपमान थी पहियो हो, से महादेव से पहिले कम जानल, महादेव से हुन नुपमान मे बाहिए निकरना लाग द्विअ उपाय मोनयो से यथासि त ध. मुएक पट तोरु नुपमान मां बाहिए लला लाग द्विअ उपाव आई,</p> <p>तद्वि महादेव द्विअ माथिया लफन नोनल से यथां त " अलाफ करे उहो उपाव मूखे बुधाय मां उहो जपार लंकुमि।</p>

3 15. (i) "पराए मास मे कोती उ लहानीअ जे संदेश-
 द्विअ लहानीअ मां अथां मे यथा संदेश मिले थो त हुअ हो अथां समाज मे दीअवनि जे डाडी बोकती थी समाज मे माअ-पीअ थी दीअ से द्विअ रही आए, समझुन हो त साउत-पीअ से द्विअ थो प्रमो लला हो आवे लफ से दीअरी से छुद डियरी हो थो पव। छुद न
 दिनको मुख्य कारण बुती-लेती (द्विअ प्रथा) थी



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

आहे। अशा वेळी प्रदिन व्यमाज मे दिन प्रवा खे
 पौळी जे प्रथास लण खे, निथारि युनि खे
 वरदान व्यमखण खे, जिअ होळरे मअन
 व्युखीयु मआखण्डा अयु हुअ ही होळरी ज
 प्रमण ते सी मनास जे।

जेळ माण्डु डेती- लेती वठन ता हुनवि खे शी
 व्यमखण्डा खे हो त अगए होळरी वारा
 पहिजी दीअ खे लुध लुणी सां शिअन था त
 लुणे आण पर अगए होळरे वठन जे काव
 मे अची हुनवि जे लुध शिअरे परे थो त
 माऊ-पिउ खे सी हिळ वने मुथिवा था अची
 वरु, गरीव सां-पीअ लीतरो पिको न था आरे
 व्यपुन खे पहिजी होळरी खे हिळ बीज
 व्यमखण्डा।

डेती-लेती खे वठन जे प्रथास लण

3/16

(ii) "माण्डु मुदिन मुल्ल जा" दिन गीत जा लणळ
 आदिनि। हिथ विद लणळ कथो बंधाखण्डे
 यथु आदिनि त,

माण्डु त मुदिन मुल्ल जा
 आदिनि खे आणए लण यथो आडे त हु
 दाडा लुण, व्यमखण्डाए खे व्यमखि सां हु
 प्रेम खे हिळ जहिडी वरताव लणळ वारा आदिनि।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

¹मुद्दिन ¹मुल्क जा ¹माण्डु ¹सुबुद जो ¹अवैल
¹उथन्दा आदिनि ¹आंगीअ जा ¹गीत ¹गावन्दा
¹आदिनि, ¹डीह जो ¹वैल ¹डाडी ¹मैदना
¹कन्दा आदिनि ¹ए ¹जडाहै ¹थकी ¹वैन्दा
¹आदिनि ¹त ¹पंखो ¹हलाए ¹विथारो ¹खोनी
¹एकुमी ¹पवन्दा ¹आदिनि, ¹बाम ¹ज ¹पवत
¹है ¹एवा ¹मै ¹पञ्जी ¹सोह ¹कन्दा ¹आदिनि
¹ए ¹वात ¹जो ¹खाह ¹जा ¹गीत ¹गाए
¹सुखन्दा ¹आदिनि।

¹एकौ ¹कसु ¹अमथ ¹आं ¹पूणी ¹कन्दा
¹आदिनि ¹ए ¹आदिनि ¹आं ¹सुणे ¹हलन्दा
¹आदिनि।

3 17. एस्पतालादिनि / पदाकनि जो सीना :-

1. आर्ष-आर्ष करण ⇒ सिनथु करण / बार-बार प्रदण

प्रमले मै प्रथोरा :- मां ⁴एमेवा ⁴ए ⁴ए ⁴ए ⁴ए
⁴करै ⁴थकनी ⁴विथस। ⁴हलाओ ⁴जै ⁴करै ⁴“आर्ष-आर्ष”



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2. दालि न गणु ⇒ पुत्री न अयथा ।
कुसुमै मे प्रथोगः - सप जे अगिथा दूड माण्ड
जे दालि ठान गद्वे अयन्की आह ।

3. पाणी विलोडणु ⇒ अजार्डे कौळिण्य करणु ।
कुसुमै मे प्रथोगः - मोहन खे अमजार्डो, पाणी
विलोडणु जहिडी आह ।

एवम - ए द

BSER-1802025

4 18. श्रीकैः (i)

श्रीकैः - राजकैथ उच्च माध्यमिक विद्यालय मे
"सिद्धुपति महाराजा डाएफमैन जयंती" 2025

प्रस्तुत कर्ताः - मुहेजी नामे एरण-जैगनि आह मां
एकल दक - x जी वागिदि, अर्थात
एकल मे "सिद्धुपति महाराजा डाएफमैन जयंती"
जे गार्डे मे तर्दां खे सुधाएवदस्य ।

एए वारिध (बाल) जी तएह दिन वयात श्री
अर्थात एकल मे डाएफमैन जयंती मजार्डे वकी ।



परीक्षक द्वारा प्रश्न पदत अंक संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अर्थात् वकल जे हाल में दिव्य डाइरिजेंट
 मध्याह्न जिन जे मूर्ति लुगाई गई।
 अर्थात् हेडमास्टराणी आदिवा (कुलवन्ती जी
 पमनाणी) अर्थात् डाइरिजेंट जी कदानी से
 हुनजे शिवाय बुद्धाय, अर्थात् पी.वी फार
 (रमेश लखवानी) अर्थात् बुद्धाय त
 किथ मध्याह्न डाइरिजेंट देश जी लडाई
 में पहिली जान डिनि, से किथ शैलीयारी
 आं इश्मन जो आमनो कथो हो।
 अर्थात् अक्ष दिनप्रां विरु वफती, तारिथ
 वमाथु। दर्जे - नवे जे वारनि मध्याह्न
 डाइरिजेंट जी कदानी जो वयन पहिले नाच
 से नाट्य में प्रस्तुत कथो। से दिन कथन्ती
 ते अर्थात् दिव्य विबन्ध लिखता ते
 प्रपक्का मिलियो।
 दिनमें मां पहिली न आयसु स्थान मुद्दत
 लाए तारिथ वमाथु। अर्थात् दिनप्रां डाडी
 छुट मिलियो।

BSER-180/2025

रिपोर्ट लिखण्ड -
 अ, ब, स
 दर्जे - X

तारिख:- 4-4-2025



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

4 12.

(i) प्रिंसिपल के दायरेवापस :-

श्रीमती,

हैडमास्टर/एधारी शाहिवा,
शा. उ. मा. विद्यालय,
अलवर।

बाबत:- अश्यांकी पलास में फर्निचर के जोड़ी बदोबस्त
करके बाबत दायरेवापस।

मानवाए,

अजुन दिन शीत आटे त मां तहारां करके
के पते - X के कारिद के पलास बंगालको की
अश्यां।

मां तहारां के बेनी करण से चपटा चाथां त
अश्यांकी पलास में दरार फर्निचर गडी-दूरी
पथां आदिनि, हुन फर्निचर त विथर में ही
दुपु तौ लगे दरार बाएनि के त जोड़ की
पहुंची वेर आटे, के पलास में बाएनि के
वेदड़ करे फर्निचर के दरार की नकर
थी अये। केकरे अश्यां के पदार्थ करण में
परिकानी थिय थी।

दिनकरे तहारां अजुन आटे त अश्यांकी पलास में
फर्निचर के जोड़ी बदोबस्त करके जो बतलामु
करे करे।

मेहरबानी

तारीख:- 4-4-2025

तहारां का कारिद,
असई राजी - X



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

4 Q. (ii) संज्ञान :- ऑनलाइन क्विजों में फास्टा का प्रयोग।

- * ऑनलाइन क्विजों का बयान
- * फास्टा
- * प्रयोग
- * प्रभाव।

ऑनलाइन क्विजों का बयान :-
 आज हर को डिजिटल में अपनी मुहूर्त पर माहुर पहिंजी योरो को पता न हो सिटी आदि न हुनरो बाहिर परी बालर जो और करे आमन करीदारी करे अर्दे।

अज कल माहुर ऑनलाइन क्विजों कएण चालू करे छडी आर।- दिन कसु जो अहुरीयत लार

ऑनलाइन क्विजों जरिए माहुर पर वही सीबल ओं आमन ऑडर ता करे छडाने।

ऑनलाइन क्विजों में जैतरी फास्टा आदि ओतरी ही प्रयोग की आदि।

ऑनलाइन क्विजों में फास्टा :- ऑनलाइन क्विजों में चोर्ड फास्टा आदिनी। किंअ त-



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

1. माठहु घर वें आमन दुपाप ता अचानि।
2. बाजार में वभूठा, सुथी लगाइता जो जसपत न थी पत्नी
3. मीबाइता में रूप ते हिळ ही शायनी जा चोवई
4. विळलय ता नजारे अचानि।
5. वसमथ जो बचत ती थी।
6. आमन पपमन्द न अचता ते वापस मटे कसू थां।
7. जेही शय दुस उहो मिला थी वभू।

दिन तपडे ऑनलाइन शॉपिंगां मां फाकटा आदिनि पर
 दा ही कौरो सुडलो आडे न दिनफा डाडा
 मुळमान थी वदिथा आदिनि।

ऑनलाइन शॉपिंगां मां मुळमानः- ऑनलाइन शॉपिंगां मां
 चोवई मुळमान थी
 आडे। जेअ त -

1. वसु माठहु अज कोल ऑनलाइन शॉपिंगां कोन्दा
 आदिनि, दिनफां नंदा मुळान, बाजार वेपेजगार थीन्दा
 पिथा वभून।

2. ऑनलाइन शॉपिंगां में आमन वे घर तार्क अचता
 लारु डिलेवरी चो वधीळ लग्जो आडे।
 चोवई फेया दिनमे ही बणवाद थी वभून था।

3. कोडि - कोडि कोडि फर्ज रूप ते इरगापिया
 वेन्दा आडे त आमन डाडा वसवतो आडे, वे
 चोवई माठहु हुनजी लालच में अची आमन



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		<p>ये व्युत्पाद्य पैसा पहिली ही ऑनलाइन करे छुट्टी आदिनि, पर सामान बरषाव या कसिं त कन्वो ही कौन आहे।</p>
	4.	<p>केस माण्डे असां व्हो पायवर्ड वडी ऑडय जे नाले ते असांजे डेटा जोरी करे छुट्टी आदिनि।</p>
	5.	<p>बाजार मे जेते जी शाय मिलकी आहे हुनखां वदीक ऑनलाइन ते डिजिटली चार्ज मे पैसा लगी वेवो आहे।</p>
		<p>दिन लाल ऑनलाइन खापिंग मे सी डाडा चूकमान आदिनि।</p>
		<p><u>सुझाव :-</u> असांजे ऑनलाइन खापिंग अंशाले करे करण व्हो, जेके फर्जि रुप हुजानि हुजानि वे पहिले फोन मे न बरषाव व्हो, अफती क्युनि जी जांच करे दो ही करीद करण व्हो, पायवर्ड डिथान या O.T.P विजान व्हो पहिले जांच करे व्हो त ही अदी आहे या न।</p>
		<p>ऑनलाइन खापिंग क्यो पर अंशाले करे।</p>
		<p><u>सुझाव :-</u></p>